उच्च शिक्षा विभाग, म0प्र0 शासन

स्नातक स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अन्तर्गत एकल प्रश्न पत्र प्रणाली अनुसार पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा अनुमोदित
सत्र 2015–16 . से प्रभावशील

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Syllabus as per single paper pattern for U.G. Classes Under Semester Scheme
As recommended by Central Board of Studies and approved by the H.E the Governor of M.P.
Effective from Session 2015-16

Max. Marks / अधिकतम अंक : 85

Class / कक्षा	:	बी.ए.
Semester / सेमेस्टर	:	तृतीय
Subject / विषय	:	हिन्दी साहित्य
Title / शीर्षक	:	अर्वाचीन हिन्दी काव्य

Particulars/विवरण

इकाई –1 निर्धारित कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा और अज्ञेय की रचनाओं से तीन व्याख्यांश

मैथिलीशरण गुप्तः

1. यशोधराः सखि वे मुझसे कहकर जाते
2. उर्मिलाः दोनों ओर प्रेम पलता है (साकेत से)
3. पंचवटी

जयशंकर प्रसादः

1. बीती विभावरी जाग री
2. आँसू का अंश–शशि मुख..... करूणा रहती थी
3. अब जागो जीवन के प्रभात

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला':

1. जागो फिर एक बार
2. तोड़ती पत्थर
3. माँ अपने आलोक निखारो

माखनलाल चतुर्वेदी:

1. कैदी और कोकिला
2. हिमकिरीटिनी
3. निःशस्त्र सेनानी

महादेवी वर्मा:

1. मैं नीर भरी दुख की बदली
2. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
3. धीरे–धीरे उतर क्षितिज से आ वसंत–रजनी

स.ही.वा. 'अज्ञेय':

1. कलगी बाजरे की
2. बावरा अहेरी
3. हरी घास पर क्षण–भर

इकाई – 2 मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद एवं निराला में से एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 3 माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा एवं अज्ञेय में से एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 4 आधुनिक युग की काव्य प्रवृत्तियाँ : भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद और छायावादोत्तर हिन्दी काव्य – प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नई कविता।

इकाई – 5 द्रुतपाठ – भारतेंदु हरिश्चन्द्र, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी, सुभद्रा कुमारी चौहान, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय और दुष्यन्त कुमार

सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में अंकों का विभाजन निम्नानुसार होगा :

अंक विभाजन :	प्रश्न अंक	योग
1. व्याख्या	3 X 7 + 7 + 6	= 20
2. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :	3 X 10	= 30
3. लघुउत्तरीय प्रश्न :	5 X 4	= 20
4. वस्तुपरक प्रश्न :	15 X 1	= 15
	पूर्णांक	85

नोट : सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में अधिकतम अंक 85 होंगे एवं सतत व्यापक मूल्यांकन (सी.सी.ई.) 15 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल अंक 100 होंगे।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : "अर्वाचीन हिन्दी काव्य", मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल से प्रकाशित।

उच्च शिक्षा विभाग, म0प्र0 शासन

स्नातक स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अन्तर्गत एकल प्रश्न पत्र प्रणाली अनुसार पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा अनुमोदित
सत्र 2015–16 से प्रभावशील

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Syllabus as per single paper pattern for U.G. Classes Under Semester Scheme

As recommended by Central Board of Studies and approved by the H.E the Governor of M.P.
Effective from Session 2015-16

Max. Marks / अधिकतम अंक : 85

Class / कक्षा	:	बी.ए.
Semester / सेमेस्टर	:	चतुर्थ
Subject / विषय	:	हिन्दी साहित्य
Title / शीर्षक	:	हिन्दी भाषा–साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन

Particulars/विवरण

इकाई – 1 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, हिन्दी की मूलाकार भाषाएं, विभिन्न भाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विविध रूप – बोलचाल की भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, सम्पर्क भाषा।

इकाई – 2 तत्सम और तद्भव का अंतर, हिन्दी का शब्द स्रोत – तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्दावली। तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्दावली का वाक्यों में प्रयोग।
हिन्दी के व्याकरणाचार्य – कामता प्रसाद गुरू एवं किशोरी दास वाजपेयी का भाषिक अवदान। डॉ हरदेव बाहरी

इकाई – 3 हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन एवं काल विभाजन : आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की प्रवृत्तियां।

इकाई – 4 आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकासः – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युगीन नाटक एवं गद्य साहित्य, छायावादोत्तरयुगीन नाटक एवं गद्य साहित्य।

इकाई – 5 काव्यांग विवेचन– रस और उसके भेद
प्रमुख छन्द – दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला और हरिगीतिका।
प्रमुख अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुनुरूक्ति प्रकाश, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान और सन्देह।

सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में अंकों का विभाजन निम्नानुसार होगा :

अंक विभाजन :	प्रश्न अंक योग
1. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :	5 X 10 = 50
2. लघुउत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20
3. वस्तु परक प्रश्न :	15 X 1 = 15
पूर्णांक	85

नोट : सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में अधिकतम अंक 85 होंगे एवं सतत व्यापक मूल्यांकन (सी.सी.ई.) 15 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल अंक 100 होंगे।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : "हिन्दी भाषा–साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन" मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल से प्रकाशित।

उच्च शिक्षा विभाग, म0प्र0 शासन

स्नातक स्तर पर सेमेस्टर पद्धति के अन्तर्गत एकल प्रश्न पत्र प्रणाली अनुसार पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा अनुमोदित
सत्र : 2016–17 । से प्रभावशील

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Syllabus as per single paper pattern for U.G. Classes Under Semester Scheme
As recommended by Central Board of Studies and approved by the H.E the Governor of M.P.
Effective from Session 2016–17

Max. Marks / अधिकतम अंक : 85

Class / कक्षा	:	बी.ए.
Semester / सेमेस्टर	:	पंचम
Subject / विषय	:	हिन्दी साहित्य
Title / शीर्षक	:	प्रयोजनमूलक हिन्दी

Particulars/विवरण

इकाई – 1 प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं भाषा कम्प्यूटिंग : आशय एवं स्वरूप, कामकाजी हिन्दी से तात्पर्य एवं विविध आयाम। वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग, फांट प्रबंधन, हिन्दी के अधुनातन साफ्टवेयर टूल।

इकाई – 2 पत्राचार : कार्यालयीन पत्र, व्यावसायिक पत्र एवं व्यावहारिक पत्र। प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई – 3 अनुवाद : स्वरूप एवं प्रक्रिया, कार्यालयीन, वैज्ञानिक, तकनीकी, वाणिज्यिक, विधिक, आशु अनुवाद तथा पारिभाषिक शब्दावली।

इकाई – 4 पत्रकारिता : स्वरूप एवं समाचार लेखन। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, फीचर लेखन, पृष्ठ सज्जा एवं प्रस्तुतिकरण, पटकथा लेखन ।

इकाई – 5 प्रमुख संचार माध्यम : प्रेस, रेडियो, टीवी, फिल्म, वीडियो तथा इंटरनेट। संचार माध्यमों की लेखन प्रविधि ।

सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों में अंकों का विभाजन निम्नानुसार होगा :

	अंक विभाजन :	प्रश्न अंक योग
1.	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :	5 X 10 = 50
2.	लघुउत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20
3.	वस्तु परक प्रश्न :	15 X 1 = 15
	पूर्णांक	85

नोट : सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में अधिकतम अंक 85 होंगे एवं सतत व्यापक मूल्यांकन (सी.सी.ई.) 15 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल अंक 100 होंगे।

निर्धारित पुस्तक : "प्रयोजनमूलक हिन्दी" मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।